नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 221 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, सोमवार 20 जून 2022

पेज -3 पर

दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का मिल रहा लाभ

एक गांव ऐसा जहां के लोग कुएं का गंदा पानी पीने को मजबूर

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट की बड़ी उपलब्धि

सरकारी अस्पताल में पहली बार दिल की दुर्लभ बीमारी की सफल सर्जरी

रायपुर। डॉ. अंबेडकर अस्पताल से संबद्ध एसीआई यानी एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में सिकलिंग के साथ दिल की दुर्लभ बीमारी एब्सटीन से पीड़ित 23 साल की महिला मरीज की सफल सर्जरी हुई। दिल से जुड़ी बीमारियों में 2 लाख में से किसी एक मरीज में ये जटिल बीमारी होती है। जन्मजात होने वाली इस बीमारी के 18 फीसदी मरीज जन्म के साथ ही मौत का शिकार हो जाते हैं। वहीं जो सर्वाइव कर पाते हैं वो भी 18 से 20 साल तक ही जिंदा रहते हैं।

छत्तीसगढ़ में पहली बार सिकलिंग के साथ एब्सटीन की बीमारी देखी गई। एसीआई के हार्ट चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी के एचओडी डॉ. कृष्णकांत साहू ने बताया कि 23 साल की महिला मरीज एब्सटीन से पीड़ित थी। ये आपरेशन इसलिए भी अहम है क्योंकि सामान्य मरीजों के दिल के आपरेशन के वक्त दिल और फेफड़े के काम को कुछ देर के लिए रोक दिया जाता है और उसे हार्ट लंग मशीन पर रखा जाता है।

एडवांस पेमेंट लेकर भी खेप नहीं भेज रही कंपनियां,मुख्यमंत्री ने पूछा- क्या हम श्रीलंका जैसे हालत की ओर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 10 दिनों से चल रही पेट्रोल-डीजल की राशनिंग बड़े संकट में बदलती दिख रही है। ऑयल कंपनियां अलग-अलग बहानों से तेल की आपूर्ति रोक रहीं हैं।

हालात ऐसे हैं कि डीलरों की ओर से अग्रिम भुगतान के बाद भी तेल की खेप नहीं पहुंच रही है। इन सबके बीच प्रशासन अब तक लगभग लाचार है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या हम श्रीलंका जैसे हालात की ओर बढ़ रहे हैं?

खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के विशेष सचिव मनोज कुमार सोनी ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा, कंपनियां इसकी कोई ठोस वजह नहीं बता रही हैं। हिंदुस्तान पेट्रोलियम में सबसे अधिक दिक्कत है। वहां प्रबंधन से बातचीत में यह बात सामने आई है कि पेट्रोल-डीजल के जो नए रेट आए हैं उनसे कंपनी ने भुगतान की नीति बदली है। अब एडवांस पेमेंट मिलने पर ही टैंकर रवाना किया जा रहा है। जो डीलर एडवांस पेमेंट नहीं कर रहे, उनके यहां तेल की खेप पहुंचने में दिक्कत हो सकती है। एक दिन पहले जिला प्रशासन के पूछने पर कंपनी के क्षेत्रीय कार्यकारी अधिकारियों ने बताया था कि रिफाइनरी में तकनीकी दिक्कत की वजह से आपूर्ति प्रभावित हुई है।

भूपेश बघेल ने कहा कि, पूरे देश में आपूर्ति घटाई जा रही है। क्या हम लोग श्रीलंका की जो स्थिति है उस दिशा में जा रहे हैं ? इधर पेट्रोल-डीजल कंपनियों के प्रमुख कह रहे हैं कि सब ठीक है।

पेट्रोल-डीजल के संकट पर सवाल

छत्तीसगढ़ पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिल धगट का कहना इसके उलट है। धगट का कहना है कि भुगतान की कोई समस्या ही नहीं है। पहले ऑर्डर पर कंपनी ट्रक रवाना कर देती थी, उसकी मांग यही रहती थी कि उसी दिन शाम तक उसका भुगतान उनको मिल जाए। ऐसा होता भी था। बाद में कंपनियों ने अग्रिम भुगतान का सिस्टम शुरू किया। शुरू में कुछ लोगों ने लापरवाही की, लेकिन लंबे समय से अग्रिम भुगतान पर तेल मंगाना चल रहा था। पिछले कुछ दिनों से ऐसा हुआ कि अग्रिम भुगतान के चार-पांच दिन बाद भी तेल की खेप नहीं पहुंच रही है। अखिल धगट का कहना था, यहां डीलर और ग्राहक किल्लत से जूझ रहा है। केंद्र सरकार का कहना है कि कहीं कोई किल्लत नहीं है।

2 किसानों सहित 5 पर गिरी गाज, 50 से ज्यादा बकरे-बकरी भी मरे

छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में 3 महिलाओं सहित 5 लोगों की मौत

पेंड्रा/बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में रविवार को अचानक से फिर मौसम ने करवट ली। कई जिलों में बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है। वहीं 5 परिवारों पर गाज भी गिरी है।

हादसे में 2 किसानों सहित 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं 50 से ज्यादा बकरे-बकरी भी मारे गए हैं। मृतकों में 2 महिलाएं और एक युवती भी शामिल है। इसमें से युवक और एक महिला खेत में काम करने गए थे, जबकि दो महिलाएं डोरी पेड़ के फल बीनने के बाद लौट रही थीं। वहीं एक युवक पेड़ के नीचे खड़ा हुआ था। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (GPM) जिले में गौरेला के बिजरवार गांव निवासी सोमवती और ललिता मार्को डोरी पेड़ के फल बीनने के लिए गई थीं। दोनों सुबह फल बीनने के बाद थैले लेकर गांव में लौट रही थी। अभी वे गांव के पास पहुंची ही थीं कि आकाशीय बिजली दोनों के ऊपर गिर पड़ी। इस दौरान दोनों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हाथ में थैला पकड़े हुए ही दोनों की मौत हो गई। वहीं मुंगेली के जरहागांव क्षेत्र में ग्राम ठकुरीकापा सुखदेव खांडे रविवार सुबह 5 बजे अपने खेत मे निंदाई करने गया था। कुछ समय बाद ही अचानक बारिश शुरू हो गई। इसके बाद भी सुखदेव खेत के काम में जुटा रहा। तभी सुबह करीब 6.30 बजे अचानक से आकाशीय बिजली उसके ऊपर गिर पड़ी। आसपास के लोगों ने देखा तो परिवार और पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दूसरी ओर बलौदाबाजार में भी आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। पलारी के ग्राम रोहासी निवासी अनीता साहू (40) अपने पति केशव साहू के साथ खेत में धान की बुआई करने के लिए गई थी। दोपहर करीब 12 बजे बारिश शुरू हो गई और तेज आवाज के साथ बिजली अनीता पर गिर पड़ी। पति उसे लेकर पलारी अस्पताल पहुंचा, वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गरियाबंद के फिंगेश्वर विकासखंड के सहसपुर गांव में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिर पड़ी। इस दौरान सरगी नाला के करीब पेड़ के नीचे खड़ा 22 साल का युवक चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने की कार्रवाई

घरेलू सिलेंडर से गैस निकाल अवैध रिफिलिंग, 2 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के लाभांडी इलाके में अवैध गैस रिफिलिंग प्लांट फूटा है। घनी आबादी के बीच खाली जमीन पर गैस की रिफिलिंग की जा रही थी। घरेलू सिलेंडर से गैस निकालकर कमर्शियल सिलेंडर में भरा जा रहा था। फिर उसे मार्केट से कम कीमत पर बेचा जा रहा था। वहां पर कमर्शियल सिलेंडर खरीदने वालों की लाइन लगी थी। आसपास वालों की शिकायत पर पुलिस ने छापा मारकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे 72 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसमें 40 कमर्शियल सिलेंडर हैं। पुलिस को पड़ताल के दौरान कुछ होटल कारोबार से जुड़े लोगों का लिंक मिला है। पुलिस उसकी जांच कर रही है। सुंदर नगर निवासी विकास शर्मा का लाभांडी में खाली जमीन है। वहां बाउंड्रीवाल खड़ी करके अपने साथी संदीप जैन के साथ रिफिलिंग प्लांट चला रहा था। अलग-अलग एजेंसियों से सांठगांठ करके 800 रुपए में घरेलू सिलेंडर खरीदते थे। उसमें से गैस निकालकर कमर्शियल सिलेंडर में भरा जाता था। फिर उसे 1800-1900 रुपए में बेचते थे। कमर्शियल सिलेंडर मार्केट में 2400 रुपए तक मिलता है।

शराब दुकान हटाने के लिए मशाल जुलूस

भिलाई में लोग सड़कों पर उतरे; कहा- तीन साल से आंदोलन, पर सुनवाई नहीं

भिलाई। भिलाई शहर के सबसे व्यस्त चौक सुपेला गदा चौक से अंग्रेजी शराब दुकान हटाने का विरोध हर दिन बढ़ता जा रहा है। युवा शक्ति संगठन के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाने के बाद सैकड़ों लोगों ने मशाल जुलूस निकाला। इस जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं।

युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष मदन सेन के नेतृत्व में लोग एकत्र हो गए और गदा चौक के पास से शराब दुकान को हटाने की मांग करने लगे। हाथों में मशाल लिए महिलाएं, पुरुष और व्यापारी वर्ग इस जुलूस में शामिल हुआ। विरोध कर रहे लोगों ने बताया कि वह लोग साल 2019 से शराब दुकान हटाने के लिए आंदोलन करते आ रहे हैं। इसके बाद भी उनकी नहीं सुनी जा रही है।

युवा शक्ति संगठन ने इससे पहले भी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शराब दुकानें हटाने की मांग की थी।

मगर प्रशासन ने अभी तक कोई भी पहल नहीं की। संगठन के कार्यकर्ताओं ने देशी अंग्रेजी दोनों शराब दुकान को हटाकर किसी अन्य जगह में स्थापित की लड़ाई आगे भी इसी तरह जारी रखने की बात कही है।

इस आंदोलन में प्रमुख रूप से जेपी घनघोरकर, मदन सेन, पारस जंघेल, शंकर लाल देवांगन, रमेश श्रीवास्तव, धनेश्वरी साहू, शारदा गुप्ता, पार्षद महेश वर्मा, प्रवीण पांडे, रामअवतार जंघेल, पार्षद राजेंद्र कुमार, अमोल दास साहू, पिंकू तिवारी, सुनील कुमार शर्मा, नीशु पांडे और वीरेंद्र कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नरवा, गरवा, घुरवा के तहत तलाब गहरीकरण

वन विभाग ने फर्जी हाजरी भर कर लाखों रुपए का किया बंदरबांट

जोहार छत्तीसगढ़-पंडरिया।

जंगल रेंज के बंदगौरा बिट में नरवा घुरवा के तहत तलाब गहरी करण कार्य वन विभाग टीम के द्वारा कराया गया है।

जिसमे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिम्मेदार कर्मचारियों के तहत फर्जी बिल भौचर बना कर लाखों रुपए का बंदर बांट किए हैं। जिनके नाम में फ र्जी बील भौचर बनाए हैं उनहोंने नाम नहीं बताने के सर्त में ये सब जानकारी बताए हैं जो बहोत बड़ा जांच का विषय है।

वन मंत्री अगबर के विधानसभा क्षेत्र में फ र्जी वाड़ा

आपको बता दे जिस क्षेत्र में वन विभाग के द्वारा फर्जी बिल भौचर बना कर पैसा हेरा फेरी किया गया है वो वन मन्त्री अगबर का विधानसभा क्षेत्र है। आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं। बाकी जगह का क्या हाल होगा। अब देखने वाली बात यह है कि मन्त्री इसमें क्या एक्शन लेते हैं।

शासन के पैसे को अपने जेब भरने में लगे हैं जिमेदार लोग

सरकार के द्वारा नरवा, गरवा, घुरवा,बाड़ी के तहत लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन सरकार के मनसुभे को नकाम करने में लगे विभाग के कुछ जिमेदार लोग अपने जेब भरने का एटीएम बना लिए है जो फर्जी बिल भौचर बना कर शासन के पैसे को दुरुपयोग कर रहे हैं।

कही इन्हें उच्च अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त तो नहीं

इस प्रकार का फर्जी हाजरीओ भी बिना डर भैय का वही कर्मचारी कर सकता है जिसके ऊपर उच्च अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त हो। उसे काहे का डर तभी तो कई लाखों रुपए का फर्जी बिल भाउचर बना कर अपने जेब भर रहे हैं और साथ में अधिकारियों का भी। अब देखने वाली बात ये है कि वर्तमान डीएफओ सर क्या एक्शन लेते है।

मौसम...

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में मानसून की दस्तक

रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग में तेज बारिश; अगले कुछ दिनों तक ऐसे ही मौसम रहने की संभावना

रायपुर। राजधानी रायपुर और दुर्ग के आसमान पर शनिवार से छाए बादल रविवार सुबह बरस पड़े। हल्की हवा और गरज-चमक के साथ तेज बरसात हुई।

रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद, कबीरधाम, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, बलौदा बाजार और बालोद जैसे जिलों में कई स्थानों पर बरसात की रिपोर्ट है।

मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार सुबह आठ बजे तक दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा दुर्ग शहर में ही ठहरी हुई थी। अब जांजगीर-चांपा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही और बिलासपुर जैसे जिलों में भी मध्यम से भारी बरसात दर्ज होने के बाद संभावना जताई जा रही है कि मानसून मध्य छत्तीसगढ़ तक पहुंच गया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि दोपहर बाद ही हो पाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक एक द्रोणिका उत्तर राजस्थान से मणिपुर तक स्थित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में रविवार को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम होने की संभावना बनी है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने तथा अंधड़ चलने की संभावना भी बन रही है। कहा जा रहा है, अंधड़ के समय हवा की रफ्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है।

रायपुर में धरना स्थल मैदान पानी-पानी

राजधानी रायपुर में बूढ़ातालाब के पास धरना स्थल, पहली बरसात में ही पानी-पानी हो गया है। तेज हवा से आंदोलनकारियों के पंडाल को नुकसान हुआ है। वहीं सड़क से नीचे होने की वजह से मैदान में पानी भर गया है। यहां धरने पर बैठे कई संगठनों के लोग बुरी तरह भीग गए हैं। छत्तीसगढ़ में मानसून का आगमन 15-16 जून की रात ही हो गया था। 16 जून को दोपहर बाद मौसम विभाग ने बताया, मानसून छत्तीसगढ़ के बस्तर को पार कर दुर्ग तक पहुंच गया है।

सुरक्षा बनी वजह

11 करोड़ का वर्किंग वुमन हॉस्टल अब किराए पर योग आयोग के पास

रायपुर। वीआईपी रोड में फुंडहर के पास करीब 11 करोड़ की लागत से बनाया गया वर्किंग वुमन हास्टल छत्तीसगढ़ राज्य योग आयोग को किराए पर दिया जा रहा है। बाहर से आकर राजधानी में काम करने वाली महिलाओं को रहने की सुविधा देने के लिए नगर निगम ने इसे बनाया था, लेकिन कोरोना के कारण पिछले तीन साल से यह खाली पड़ा है। यह थोड़ा आउटर में भी है। अब सुरक्षा तथा अन्य वजहों का हवाला देकर इसे योग आयोग को किराए पर दिया जा रहा है।

124 फ्लैट वाली यह बिल्डिंग जर्जर हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अनुमति के बाद बिल्डिंग को योग आयोग को किराए पर दिया जा रहा है। नगर निगम की सामान्य सभा में बिल्डिंग को योग आयोग को देने का प्रस्ताव पास कर लिया गया है। भवन हस्तांतरण की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, लेकिन सवाल उठाए जा रहे हैं, कि आखिर करोड़ों रुपए की लागत से तैयार भवन का उपयोग क्यों नहीं हो रहा है।

शहर से 8-10 किमी दूर इसलिए खाली

महिलाओं के लिए बनाए गए हॉस्टल को आखिर अन्य उपयोग के लिए देने की जरूरत क्यों पड़ रही है। पड़ताल करने पर पता चला कि पांच साल पहले हुई इसकी प्लानिंग ही गलत थी। 2015-16 और 2016-17 के कार्यकाल में नगर निगम ने वर्किंग वुमन हास्टल के लिए बजट में प्रावधान किया। 2017 में इसका काम शुरू हुआ और 2019 तक यह बनकर तैयार हो गया।

सर्वोच्च नेताओं की छवि और लोकतंत्र में राजनीतिक विरोधियों से आलोचना सुनने की क्षमता

स्वतंत्रता प्राप्ति की औपचारिक घोषणा से एक दशक पहले 1937 में भारतीयों को स्वशासन का एक अंदाजा मिला था, जब राज के अधीन विभिन्न प्रांतों में सीमित मताधिकार के आधार पर चुनी हुई सरकारें बनी थीं। इसे पूर्ण प्रतिनिधि सरकार की ओर एक कदम की तरह देखा गया। मद्रास प्रेसिडेंसी में कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण करने के थोड़े समय बाद एक तमिल विद्वान ने नेतृत्व के बारे में शानदार भाषण दिया, जिनके विचार आश्चर्यजनक रूप से भारत की आज की राजनीतिक संस्कृति के साथ प्रतिध्वनित होते हैं।

यह विद्वान थे के स्वामीनाथन और तब वह प्रेसिडेंसी कॉलेज में लिटरेचर के प्रोफेसर थे। 1938 में उन्होंने अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के छात्रों को बताया कि सार रूप में दो तरह के राजनेता होते हैं, एक वे जो खुद को अपरिहार्य समझते हैं, दूसरे वे जो ऐसा नहीं समझते। उन्होंने बाद वाली श्रेणी के लिए एक नाम चुना और कहा, %गांधी पिछले तीन-चार वर्षों से अपने उत्तराधिकारियों को प्रशिक्षित करने को लेकर बहुत सतर्क और चिंतित रहे हैं। उनकी अंतिम इच्छा खुद को अपरिहार्य बनाने की है।...न तो जवाहरलाल नेहरू, न ही राजेंद्र प्रसाद चाहे जो हों, वैसे नहीं होंगे जैसा गांधी चाहते हैं; और न ही वे केवल यस मैन हैं।

यह शानदार उदाहरण पेश करने के बाद स्वामीनाथन ने एक चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, लेकिन ऐसे भी नेता हैं, जो अपने अनुयायियों पर भरोसा नहीं करते और वे उन्हें काम करने की किसी तरह की स्वतंत्रता नहीं देते, सैन्य अनुशासन का दबाव बनाते हैं, स्वचालन को तरजीह देते हैं। ऐसे नेता इमली के पेड़ की तरह होते हैं, शायद अपने समय में महान और अपने आप में उपयोगी, लेकिन दूसरों के जीवन और विकास के लिए विनाशकारी। वे कोई मतभेद बर्दाश्त नहीं करते, दोस्ताना आलोचना से भी नाराज हो जाते हैं। वे तुर्क की तरह, सत्ता के करीब किसी को नहीं रखते। और जब जाते हैं, तो अपने पीछे उजाड़ छोड़ जाते हैं।

अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के छात्रों से स्वामीनाथन ने कहा, आज हमारे देश को जो जरूरत है और हमारे हॉस्टल्स जो पैदा कर सकते हैं वे हैं, राजनेता, जिनमें से प्रत्येक औसत से कुछ बड़ा हो। मैं नहीं समझता कि हमें किसी ऐसे सुपरमैन की जरूरत है, जो कि अपने साथियों से इतना ऊपर हो

सत्तावादी लोकतंत्र

ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, पिनरायी विजयन, आदित्यनाथ, जगन मोहन रेड्डी, के चंद्रशेखर राव और अशोक गहलोत-ये सातों मुख्यमंत्री सात विभिन्न दलों से संबंधित हैं और ये सभी शासन की अपनी शैली और प्रवृत्ति में सत्तावादी हैं।

कि उनके बीच की खाई कभी पाटी न जा सके। हाल ही में मुझे स्वामीनाथन के लेखन को खंगालते समय उनके उस व्याख्यान को देखने का मौका मिला। इसे पढ़कर मैं चौंक गया, क्योंकि उन्होंने 1938 में जो चेतावनियां दी थीं, वे 2022 के भारत में आज कहीं अधिक प्रासंगिक हैं, जब हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री है, जिसने पार्टी और सरकार के अकूत धन और इनसे बड़ी संख्या में जुड़े लोगों की मदद से अपने इर्द-गिर्द विश्व इतिहास का सबसे बड़ा छवि निर्माण किया है। मैंने पहले भी नरेंद्र मोदी के छवि निर्माण और उसके खतरनाक परिणामों के बारे में लिखा है। इसलिए मैं उन तर्कों को यहां नहीं दोहराऊंगा। इसके बजाय मैं इस पर गौर करूंगा कि सत्ता के इर्द-गिर्द व्यक्तित्व निर्माण की यह प्रवृत्ति न केवल केंद्र सरकार में, बल्कि कई राज्य सरकारों में भी दिखाई देती है। ममता बनर्जी विधानसभा और संसद के चुनावों के समय नरेंद्र मोदी का भारी विरोध करती हैं, जबकि उनकी खुद की राजनीतिक शैली उनसे उल्लेखनीय रूप से मिलती है। वह अकेले ही तृणमूल कांग्रेस, पश्चिम बंगाल की सरकार और बंगाली लोगों के अतीत, वर्तमान और भविष्य को मूर्त रूप देना चाहती हैं। अपने राज्य के स्तर पर ममता बनर्जी द्वारा पार्टी, सरकार और लोगों के नेता से सम्मिलन का यह प्रयास देश के स्तर पर नरेंद्र मोदी द्वारा पार्टी, सरकार और लोगों के साथ नेता के सम्मिलन के प्रयास को बारीकी से दर्शाता है। ये समानताएं यहीं खत्म नहीं होतीं। टीएमसी के विधायक और सांसद भय के कारण अपनी मुख्यमंत्री के बारे में उसी तरह से चाटुकारिता भरे शब्दों में बातें करते हैं, जिस तरह से भाजपा सांसद और मंत्री प्रधानमंत्री को लेकर करते हैं। मोदी की तरह ममता भी अपने वफादार और आसानी से काबू में आने वाले नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों के साथ काम करना पसंद करती हैं। मोदी की तरह ही वह प्रेस की स्वतंत्रता और संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर जुबानी जमा खर्च करती हैं, लेकिन जब उनके शासन को चुनौती मिले, तो वह इस स्वतंत्रता को कुचलने और स्वायत्तता से इनकार करने में देर नहीं करतीं।

रामचंद्र गुहा

संपादकीय

कांग्रेस महंगाई के खिलाफ लड़े

सोशल मीडिया में यह दिलचस्प पोस्ट देखने को मिली कि कांग्रेस को जो लड़ाई अदालत में लड़नी चाहिए वह सड़क पर लड़ रही है और जो लड़ाई सड़क पर लड़नी चाहिए वह ट्विटर पर लड़ रही है। सचमुच ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस कहीं की लड़ाई कहीं लड़ रही है। राहुल गांधी को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में हुई कथित गड़बड़ी के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया तो पूरी कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतर गई। ध्यान रहे यह मामला काफी पुराना है और कांग्रेस सर्वोच्च अदालत तक जा चुकी है इस मामले को खारिज कराने के लिए।

लेकिन अदालत से भी राहत नहीं मिली। यह मामला भी सुब्रह्मण्यम स्वामी का शुरू किया हुआ, जिन्होंने कभी सोनिया गांधी के साथ जयललिता को बैठा कर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिरवाई थी। इसलिए यह सरकार के राजनीतिक बदले वाला बहुत सरल मामला नहीं है। तभी जब कांग्रेस के सारे बड़े नेता सड़क पर उतरे तो उसका यह मैसेज गया कि कांग्रेस के नेता सिर्फ एक परिवार के प्रति समर्पित हैं। उनकी निष्ठा अवाम से नहीं, परिवार से है। दूसरे, भाजपा को भी यह कहने का मौका मिला कि भ्रष्टाचार के मामले में नेहरू-गांधी परिवार का बचाव करने के लिए कांग्रेस पार्टी आंदोलन कर रही है। सचमुच कांग्रेस को यह लड़ाई अदालत में लड़नी है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि कैसे गुजरात दंगों के लिए बनी एसआईटी ने गुजरात के तब के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से घंटों पूछताछ की थी। मोदी चुपचाप एसआईटी के दफ्तर गए थे और पूछताछ में शामिल हुए थे।

सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती नारियां

हम क्या महिला युग में जी रहे हैं? एक महिला ने कहा कि गीताजंलि श्री को बूकर पुरस्कार मिलने से क्या भारत में महिलाओं का युग आ गया? क्या यह पुरुषों का अहं है कि वे महिलाओं की उत्तरोत्तर प्रगति का संज्ञान तब तक नहीं लेते, महिला की मेधा का लोहा मानने को तब तक तैयार नहीं होते, जब तक कि पानी सिर से न उतर जाए, यानी असाधारण कुछ न हो जाए? महिलाएं भी कुछ कर गुजर सकती हैं, ऐसा तो हम सोचते ही नहीं। महिलाएं भी कुछ उल्लेखनीय रच सकती हैं, हमारे भीतर बैठा सामंती शैतान यह मानने को तैयार ही नहीं।

ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति, मीडिया-सिनेमा, समाज-राजनीति, खेल-पहलवानी, कौन-सा क्षेत्र है, जहां वे पुरुषों का मुकाबला नहीं कर रहीं? आज स्त्री के कदम आसमान की ऊंचाई नाप रहे हैं। योग और चिकित्सा में महिला-गुरुओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है। माना कि उनकी सेवाओं का गौरवशाली इतिहास अपेक्षित और उचित सम्मान नहीं पा सका। लेकिन ऐसा उनके स्त्री होने के कारण कम हुआ, उन पर लगाई गई पुरुषों की वर्जनाओं के कारण अधिक हुआ। इतिहास से उनकी सेवाओं का फल उन्हें नहीं मिला, उनके कर्म-कौशल की अनदेखी की गई, लेकिन आज वे रच तो गौरवशाली इतिहास ही रही हैं। विगत दो दशकों से माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के परिणाम लड़कियों की सफलताओं की गवाही दे रहे हैं। बैंकिग सेवा, विधि शिक्षा, प्रशासनिक सेवा-टॉप रैंकिग में महिलाएं ही हैं। टीना

समय चक्र

आज स्त्री के कदम आसमान की ऊंचाई नाप रहे हैं। ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति, मीडिया-सिनेमा, समाज-राजनीति, खेल-पहलवानी, कौन-सा क्षेत्र है, जहां वे पुरुषों का मुकाबला नहीं कर रहीं?

डाबी, श्रुति शर्मा, अंकिता अग्रवाल, गामिनी सिंघल हमारी होनहार बेटियां हैं। गीत-संगीत स्पर्धा, विदेश सेवा, मीडिया में संपादन, बहस और एंकरिंग में महिलाएं बड़ी संख्या में आई हैं। हालांकि महिलाओं ने पुरुषों की बुराइयां भी अपनाई हैं। संवेदना की पर्याय कही जाने वाली स्त्री ने कई मोर्चों पर क्रूरता का भी परिचय दिया है। भारत में बूकर पुरस्कार पाने वालों में एक पुरुष और तीन महिलाएं (अरुंधति राय, किरण देसाई और गीताजंलि श्री) हैं। माना कि राजनीतिक सत्ता शीर्ष पर महिलाएं पुरुषों की तुलना में कम रही हैं, परंतु वे जब तक रही हैं, जहां भी रही हैं, पुरुषों की अपेक्षा अधिक सफल रही हैं। इंदिरा गांधी, प्रतिभा पाटिल, मीरा कुमार, सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, मायावती, ममता बनर्जी, राबड़ी देवी और जयललिता की उपलब्धियां छिपी नहीं हैं। उच्च शैक्षिक पदों पर जेएनयू में कुलगुरु प्रो. शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित, कश्मीर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलोफर खान, संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अनुला मौर्य, साहित्यिक पत्रकारों में संपादक मिनी कृष्णन, मृणाल पांडे, क्षमा शर्मा, दलित लेखिकाओं में सुनीता गिडला आदि अनेक नाम हैं। टीवी पर बहसों का संचालन करती महिलाएं, राष्ट्रीय अखबारों के संपादकीय पृष्ठों पर लिखने वाली महिलाएं, बिग बॉस और इंडियाज गॉट टैलेंट में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती महिलाएं, प्रतियोगिता परीक्षाओं में अव्वल रहने वाली महिलाएं, निजी शैक्षिक संस्थाओं को अपने स्वामित्व में संचालित करने वाली महिलाएं- जाहिर है, यह सूची लंबी है। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ने न्यायपालिका में महिलाओं की कमतर भागीदारी पर चिंता जताते हुए कहा कि क्या कानूनी पेशा पुरुष प्रधान है? महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण मिलना चाहिए। अलबत्ता विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों के बीच इनकी पारिवारिक-सामाजिक पृष्ठभूमि, परवरिश और शिक्षा का अध्ययन करने की भी जरूरत है कि ये स्त्रियां किस समाज से आती हैं और किन सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसकी वजह यह है कि इस बीच असंतुलन और असभ्यता का एक रूप भी उन भोजन माताओं के तौर पर भी हमारे सामने आता है, जो जाति भेद के कारण स्कूलों में ऊंची जातियों के बच्चों को भोजन नहीं दे सकतीं।

श्यौराज सिंह बेचैन

मिला जुला

अग्निपथ स्कीम- वायुसेना ने जारी की भर्ती की डिटेल

1 करोड़ का बीमा-कैंटीन सुविधा-30 दिन छुट्टी

नई दिल्ली। अग्निपथ स्कीम में अग्निवीरों की भर्ती के लिए वायुसेना ने डिटेल अपनी वेबसाइट पर जारी कर दी है. इस डिटेल के अनुसार चार साल की सेवा के दौरान अग्निवीरों की वायुसेना की ओर से कई सुविधाएं दी जाएंगी जो स्थायी वायुसैनिकों को मिलने वाली सुविधाओं के अनुसार ही होगी. एयरफोर्स की वेबसाइट पर अपलोड की जानकारी के अनुसार अग्निवीरों को सैलरी के साथ हार्डशिप एलाउंस, यूनीफार्म एलाउंस, कैंटीन सुविधा और मेडिकल सुविधा भी मिलेगी. ये सुविधाएं एक रेगुलर सैनिक को मिलती हैं।

अग्निवीरों को सेवा काल के दौरान ट्रैवल एलाउंस भी मिलेगा. इसके अलावा उन्हें साल में 30 दिन की छुट्टी मिलेगी. उनके लिए मेडिकल लीव की व्यवस्था अलग है. अग्निवीरों को सीएसडी कैंटीन की भी सुविधा दिलेगी. अगर दुर्भाग्यवश किसी अग्निवीर की सर्विस (चार साल) के दौरान अगर मृत्यु होती है तो उसके परिवार को इन्श्योरेंस कवर मिलेगा. इसके तहत उसके परिवार को करीब 1 करोड़ रुपये मिलेंगे।

परफॉर्मेंस के आधार पर मिलेगा रेगुलर कैडर

वायुसेना ने कहा है कि वायुसेना में इनकी भर्ती एयर फोर्स एक्ट 1950 के तहत 4 साल के लिए होगी. वायुसेना में अग्निवीरों का एक अलग रैंक होगा जो मौजूदा रैंक से अलग होगा. अग्निवीरों को अग्निपथ स्कीम की सभी शर्तों को मानना होगा. जिन अग्निवीरों की वायुसेना में नियुक्ति के समय उम्र 18 साल से कम होगी उन्हें अपने माता-पिता या अभिभावक से अपने नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर करवाना होगा. चार साल की सेवा के बाद 25 फीसदी अग्निवीरों को रेगुलर कैडर में लिया जाएगा. इन 25 फीसदी अग्निवीरों की नियुक्ति सेवा काल में उनके सर्विस के परफॉर्मेंस के आधार पर की जाएगी.

सम्मान और अवॉर्ड के होंगे हकदार

वायुसेना के अनुसार अग्निवीर सम्मान और अवॉर्ड के हकदार होंगे. अग्निवीरों को वायुसेना की गाइडलाइंस के अनुसार ऑनर्स और अवॉर्डर्स दिया जाएगा. वायुसेना में भर्ती होने के बाद अग्निवीरों को सेना की जरूरतों के अनुसार ट्रेनिंग दी जाएगी.

अगर सेवा काल के दौरान होती है मृत्यु

अग्निवीरों को 4 साल की सेवा अवधि के दौरान 48 लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा. इसके अलावा उन्हें 44 लाख रुपये की एकमुश्त राशि भी दी जाएगी. इसके अलावा चार साल की नौकरी में जितनी सेवा बच्ची रहेगी उसकी सैलरी भी अग्निवीर के परिवार को दी जाएगी. इसके अतिरिक्त अग्निवीर के सेवानिधि फंड में जितने पैसे जमा हुए होंगे उस मे सरकार का योगदान और उसपर ब्याज भी अग्निवीर के परिवार को दिया जाएगा. ड्यूटी के दौरान विकलांग होने पर अग्निवीरों को एक्स-ग्रेशिया 44 लाख रुपये मिलेंगे. साथ ही जितनी नौकरी बची है उसकी पूरी सैलरा मिलेगी इसके अलावा सेवा निधि का पैकेज भी मिलेगा. हालांकि विकलांगता की सीमा के अनुसार अग्निवीरों को मिलने वाली राशि कम या ज्यादा हो सकती है।

अग्निपथ को लेकर प्रदर्शनकारियों का उत्पात

जौनपुर में फूंकीं बसें और बाइकें, 24 पुलिसकर्मी घायल

जौनपुर। सेना भर्ती की अग्निपथ योजना के विरोध में शनिवार को बदलापुर व सिकरारा में प्रदर्शनकारी युवाओं ने आगजनी, पथराव और तोड़फोड़ की। रोडवेज की दो बसें, पुलिस की जीप और दो बाइकें आग के हवाले कर दीं। राज्य सूचना आयुक्त प्रमोद तिवारी के काफिले में शामिल स्कोर्ट वाहन पर हमला कर दिया। आधा दर्जन से अधिक छोटे-बड़े वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इन घटनाओं में मछलीशहर, सिकरारा थानाध्यक्ष समेत 24 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने हवाई फायरिंग करने के साथ आंसू गैस और मिर्ची के गोले दागे। सिकरारा थानाक्षेत्र स्थित बरगुदर पुल और लाला बाजार के बीच सवा घंटे तक दो सौ से अधिक युवकों ने बवाल किया। लाठी-डंडे लेकर सड़क पर उतरे युवाओं ने रोडवेज की चार बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

अराजकतत्वों की संपत्ति से नुकसान की होगी भरपाई

आगरा एडीजी ने बताया कि अराजकतत्वों की पहचान की जा रही है। इसके लिए वीडियो और फोटो का सहारा लिया जा रहा है। बवाल के दौरान हुए नुकसान की भरपाई कानून के मुताबिक अराजकतत्वों की संपत्ति से होगी।

युवाओं को उकसाने वाले पांच गिरफ्तार

सहारनपुर में अग्निपथ योजना के विरोध में युवाओं को आंदोलन के लिए उकसाने के आरोप में रामपुर मनिहारान पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी राजनीतिक दलों से जुड़े बताए गए है।

दिल्ली को जाम से मिलेगी राहत

पीएम मोदी ने प्रगति मैदान टनल और 5 अंडरपास का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रगति मैदान टनल और 5 अंडरपास का उद्घाटन किया. ये सभी रास्ते आज से लोगों के आवागमन के लिए खोल दिए गए हैं. इससे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को जाम से राहत मिल सकेगी। 920 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से पूरी की गई इस परियोजना का उद्देश्य प्रगति मैदान में विकसित किए जा रहे प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र को जाम से बचाकर सुगम रास्ता मुहैया कराना है। यह कॉरिडोर 6 लेन का है. कॉरिडोर की मुख्य सुरंग प्रगति मैदान से गुजरते हुए

पुराना किला रोड होते हुए रिंग रोड को इंडिया गेट से जोड़ती है. इसके जरिए प्रगति मैदान की विशाल बेसमेंट पार्किंग तक पहुंचा जा सकता है। टेरी (भारतीय ऊर्जा अनुसंधान संस्थान) द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक प्रगति मैदान कॉरिडोर बनने के बाद अनुमानित 16,400 टन CO_2 हर साल कम उत्सर्जित होगी.

गर्मी से राहत-तापमान में गिरावट

पंजाब-राजस्थान समेत कई राज्यों में बारिश

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई राज्यों में प्री मॉनसून गतिविधियां देखने को मिल रही हैं. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, राजस्थान, पंजाब समेत कई हिस्सों में इन दिनों बारिश के चलते तापमान में गिरावट आने के साथ गर्मी से राहत है. दिल्ली में भी मौसम का मिजाज बदला है, बीते 2-3 दिन से हल्की बारिश और बूंदाबांदी से अधिकतम तापमान में गिरावट आई है. मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा। आईएमडी के मुताबिक,

दिल्ली में आज, 19 जून के तापमान की बात करें तो न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहेगा. वहीं, दिल्ली में आज भी हल्की बारिश होने की संभावना है. राष्ट्रीय राजधानी में सुबह के वक्त मौसम सुहावना है. मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में प्री मॉनसून बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 29 डिग्री और अधिकतम तापमान 39 डिग्री रहेगा. आज राजधानी लखनऊ में बादल छाए रह सकते हैं. वहीं, गाजियाबाद में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहेगा।

बड़ा हादसा

पटना से दिल्ली जा रही स्पाइस जेट की फ्लाइट में लगी आग

पटना। एक बड़ी खबर बिहार के पटना एयरपोर्ट से आ रही है। पटना से दिल्ली उड़ान भर रही स्पाइस जेट की फ्लाइट के इंजन में आग लग जाने की खबर है। बताया गया है कि विमान में लगभग 185 यात्री सवार हैं। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि विमान की सेफ लैंडिंग हो गई है। पटना के एसएसपी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने बताया है कि सभी

यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के मुताबिक पटना से उड़ने के बाद फुलवारी शरीफ के आसपास पायलट को यह आभास हो गया कि विमान में आग लगी है। इस बीच स्थानीय लोगों ने भी विमान में आग लगने की जानकारी प्रशासन को दिया। पायलट ने काफी मेहनत और हिम्मत से फ्लाइट को फिर से पटना एयरपोर्ट पर उतार लिया। पटना के सभी पदाधिकारी एयरपोर्ट पर पहुंच चुके हैं।

मनरेगा में डबरी के स्थान पर खेत का निर्माण हुआ वन भूमि में

महिला डिप्टी रेंजर और डीएफओ के बयानों में विरोधाभास

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

विकासखण्ड पिथौरा के ग्राम पंचायत बरेकेल खुर्द में मछली पालन के लिए मनरेगा के तहत निजी डबरी निर्माण में फ र्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। आरोप है कि बरेकेल खुर्द के किसान संतोष साहू ने सरपंच व रोजगार सहायक के साथ मिलकर वन विभाग की शासकीय जमीन पर ही मनरेगा डबरी के स्थान पर खेत बनाने का कार्य कराया गया है।

सरपंच, रोजगार सहायक और हितग्राही की मिलीभगत

उक्त मामले में क्षेत्र की डिप्टी रेंजर ने भी रिकॉर्ड में वन भूमि बताया है। जबकि जिला वन मण्डलाधिकारी द्वारा शिकायत को मनगढ़ंत बताया है। पूरे मामले के सम्बन्ध में खुलासा तब हुआ, जेब पिथौरा के आरटीआई कार्यकर्ता लाल बहादुर महंती ने इस पूरे मामले की शिकायत कलेक्टर, डीएफ ओ व जनपद पंचायत पिथौरा में की। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जनपद पंचायत पिथौरा के सीईओ प्रदीप प्रधान द्वास तीन सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है।

विगत सोमवार को जांच दल वन विभाग के डिप्टी रेंजर सुनीता दीवान एवं वन रक्षक परिमल नेताम के साथ जनपद द्वारा नियुक्त जांच टीम के उपयंत्री जसवंत पैकरा, करारोपण अधिकारी दिनेश दीक्षित एवं रेशम लाल भारती मौके पर पहुंच कर मौका मुआयना किया। मुआयना के बाद प्रथम दृष्टया पता चला कि शासन की आंखों में धूल झोंककर किसान संतोष साह ने रोजगार सहायक व सरपंच से सांठगांठ कर मछली निर्माण में फर्जीवाड़ा के लिए गए 5 सदस्य टीम में डिप्टी रेंजर संतोषी दिवान, वन रक्षक परिमन नेतामए उपयंत्री जशवंत पैंकरा, करारोपण अधिकारी दिनेश दीक्षित, रेशमलाल भारती 5 सदस्यीय जांच टीम ने राजस्व व फ रेस्ट विभाग के संयुक्त रिपोर्ट आने तक इस मामले की गंभीरता को समझकर इस पूरे मामले की जांच को स्थगित पालन हेतु निजी डबरी किया है। वहीं जांच टीमने जनपद सीईओ पिथौरा को प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्यवाही करने किया है। जिसकी जांच की बात कही। जांच कमेटी के द्वारा कृषक संतोष साहू एवं रोजगार सहायक व सरपंच से पूछताछ की गई। जिसमें सरपंच रोजगार सहायक व कृषक संतोष साहू गोलमोल जवाब देते नजर आये।

वन विभाग की भूमि पर डिप्टी रेंजर की मुहर

क्षेत्र की महिला डिप्टी रेंजर सुनीता दीवान ने मौका मुआयना कर रिकार्ड देखते हुए कथित मछली पालन हेतु बनाई गई डबरी के निर्माण स्थल को वन भूमि बताया। इस सम्बंध में उन्होंने बताया कि जांच में उन्होंने ग्राम सरपंच एवम प्रमुखों से भी बात की है। यह भूमि वन विभाग का कक्ष क्रमांक 237 के तहत है।

डीएफओ ने बताया आरोप को मनगढ़ंत

दूसरी ओर उक्त मामले में शिकायतकर्ता लोचन चौहान द्वारा उक्त मामले में जांच हेतु जब आवेदन दिया तब डीएफ ओ महासमुन्द पंकज राजपूत ने पूरे मामले को बगैर जांच के ही मनगढ़ंत बताते हुए जांच किये जाने की बात कही है। चौहान ने एक जिम्मेदार अफसर की उक्त प्रतिक्रिया पर निष्पक्ष जांच पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। इधर जनपद की तीन सदस्यीय जांच समिति के प्रमुख रेशमलाल भारती ने मीडिया को बताया कि विवादित स्थल का निरीक्षण उन्होंने पूरी टीम के साथ किया स्थल पहाड़ी के नीचे बने मार्ग के करीब ही है। यहां वन एवम राजस्व दोनों तरह की भूमि है। परन्तु विवादित भूमि किसकी है। यह स्पष्ट होते तक जांच सम्भव नहीं है। लिहाजा जांच रोक दी गयी है। आरटी आई कार्यकर्ता डॉ. लालबहादुर महंती मैं बताया कि बरेकेल के संतोष साहू द्वारा अपने खेत खसरा 408/3 रकबा एक एकड़ 10 डिसमिल में मछली पालन हेतु मनरेगा से कुल 10 लाख रुपये स्वीकृत करवाये गए। परन्तु वे बरेकेल सरपंच से मिलकर वन विभाग के कक्ष क्रमांक 237 में वन भूमि को खेत बनाने के कार्य में लगा रहे है। मिली जानकारी के अनुसार अब तक चार लाख रुपये का आहरण भी किया जा चुका है। उक्त योजना में मछली पालन की जगह वन भूमि पर कब्जा कर शासन को चोट पहुंचाई जा रही है। संतोष द्वारा विभाग को बताई गई भूमि में डबरी बनाने की बजाय कौड़िया एवं बरेकेल की वन भूमि पर कब्जा कर खेत बनाने का कार्य कर रहे हैं। इसमें एक जमीन पर सरपंच हेतु खेत बनाने की जानकारी भी ग्रामीणों द्वारा दी जा रही है। ऐसे अनेक मामले इस क्षेत्र में है। इन मामलों की जांच कर कार्यवाही करने से वन विभाग की सैकड़ों एकड़ भूमि अवैध कब्जों में जाने से बच जाएगी।

एक नजर

शिकार से पहले शिकारियों का पुलिस ने किया शिकार

घातक हथियारों के साथ राजधानी के 4 गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

बार नयापारा अभयारण्य के समीप शिकार करने निकले 4 आरोपियों को कसडोल पुलिस ने हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से एक रायफल, 21 जिंदा कारतूस, चाकू, टंगिया और अर्टिगा कार जब्त किया गया। बहरहाल,कसडोल पुलिस आर्म्स एक्ट और वन अधिनियम के तहत कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार कसडोल क्षेत्र अंतर्गत सोनाखान, लवन वन परिक्षेत्र में शिकार की सूचना कई दिनों से मिल रही थी। लिहाजा, 17 जून को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला बलौदा बाजार ने सूचना दी कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति आर्टिका कार क्रमांक सीजी 04 एनएस 1123 पीपरछेड़ी क्षेत्र में संरक्षित वन में घूम रहे थे। सूचन में पर थाना प्रभारी कसडोल आशीष सिंह राजपूत उपनिरीक्षक रामनाथ भगत, प्रधान आरक्षक कुलमणि बारिक एवं अन्य आरक्षक पीपरछेड़ी के संरक्षित वन क्षेत्र में गए और उक्त आर्टिका कार को रोककर संदेही व्यक्तियों से पूछताछ की। पुलिस को देख सभी आर्टिका सवार घबरा गए थे। बाद पूछताछ करने पर शाहिद नकवी बैरन बाजार रायपुर जो माइनिंग विभाग में सुपरवाइजर के पद पर हैं। मोहम्मद वसीम खान व्यापार विहार रायपुर में गार्ड का काम करता है। नवाज खान और अब्दुल हामिद खान ग्राम जेबा अभनपुर मजदूरी का काम करता है। आनंद श्रीवास्तव, पेंशन बाड़ा पीडब्ल्यूडी में ठेकेदार का काम करता है। चारों को आर्टिका से उतारने पर मैगजीन सहित पॉइंट 2 का गन जिसमें टेलीस्कोप लगा हुआ, एक नागकन्या जिसमें छोटा सा वेट लगा है। चमड़े छीलने का 2 नग तेज धारदार, चाकू, बकरा काटने का बड़ा कट्टा, धार करने का पत्थर, मोबाइल, नगदी आदि जब्त किया गया। रायफ ल का लाइसेंस पेश किया गया। किंतु, इसका प्रयोग रायपुर में ना कर बिना अनुमति एवं बिना ट्व आदेश के संरक्षित वन में घूमते पाया गया। चारों ने ट्व एक प्लास्टिक की थैली में सभी हथियार छिपा कर रखे थे। जिसे संदिग्ध हालात में जब्त किया गया। ये हथियार अवैध शिकार से संबंधित होना परिलक्षित होना पाए जाने से आरोपियों को आर्टिका कार वे साथ थाना लाकर पूछताछ की गई। आरोपियों के कबूलनामे के बाद अपराध 472/22 धारा 25/2 आर्म्स एक्ट एवं वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 197 की धारा 939 51 के तहत कार्रवाई की गई।

नाबालिग का अपहरण जुर्म दर्ज

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

पटेवा पुलिस द्वारा ग्राम लखनपुर निवासी प्रार्थी की रिपोर्ट पर ग्राम ढांक थाना पटेवा निवासी भुवन यदु के खिलाफ भादवि की धारा 363 के अंतर्गत अपराध पजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस से की गई शिकायत में बताया गया है कि प्रार्थी की नाबालिग पुत्री को संदेही आरोपी द्वारा बहला, पुसला कर भगा ले गया है। आसपास पतासाजी करने पर जानकारी न मिलने से पुलिस में शिकायत की गई है।

ओपी जयसवाल के प्रथम जिला आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

बलरामपुर । भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जयसवाल के प्रथम बलरामपुर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा आतिशबाजी एवं फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के आगमन पर रैली भी निकाली गई एवं भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जोरदार नारेबाजी भी की गई।

अपने स्वागत से अभिभूत भाजपा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल ने कहा कि जिस प्रकार से लोगो की भीड़ भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में उमड़ रही है यह परिवर्तन का संकेत है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व ने जो मुझे दायित्व दिया है उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं पुराने कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन में संगठन को संगठित एवं मजबूत करने का प्रयास करूंगा। आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव में रामानुजगंज विधानसभा एवं सामरी विधानसभा में भाजपा का परचम लहराना तय है। छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस की सरकार से उब चुकी है समाज के सभी वर्गों में सरकार के कार्यो से आक्रोश है। केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हम सब जन जन तक पहुंचाएंगे एवं कांग्रेस सरकार के कुशासन से लोगों को अवगत कराएंगे।

सरगुजा पुलिस ने साइबर सेल टीम की मदद से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले 4 शातिर आरोपियों को झारखंड से किया गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़–सीतापुर।

सरगुजा पुलिस की स्पेशल टीम ने साइबर सेल टीम की मदद लेते हुए लाखों रूपये की धोखाधड़ी करने वालें 4 शातिर आरोपियों को झारखंड के देवघर से गिरफ्तार किया है। आपको बता दे कि मामलें की पुष्टि करते हुए सीतापुर पुलिस ने बताया कि सीतापुर थानाक्षेत्र के ग्राम भारतपुर निवासी 42 वर्षीय प्रार्थी मुनेश्वर राम नागवंशी के साथ आरोपियों ने स्वयं को बैंक मैनेजर बताकर लाखों रूपये की धोखाधड़ी की थी जिसकी शिकायत प्रार्थी मुनेश्वर नागवंशी ने सीतापुर थाने में की थी। वहीं प्रार्थी मुनेश्वर नागवंशी द्वारा थाना सीतापुर पुलिस को लाखों रूपये की धोखाधड़ी होने की सूचना मिलने के बाद सीतापुर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया था और अज्ञात आरोपियों की पतासाजी शुरू की थी। वहीं साइबर सेल द्वारा सरगुजा पुलिस की स्पेशल टीम को आरोपियों का लोकेशन झारखंड

मिला था। जिसके बाद सरगुजा की स्पेशल टीम ने झारखंड जाकर धोखाधड़ी करने वालें 4 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपियों के पास से पुलिस टीम ने 1 लाख 41 हजार रूपये और 7 नग मोबाइल भी जप्त किया है, वहीं पूरें मामलें में सरगुजा पुलिस ने सभी 4 आरोपियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 420,34 और 66–डी आईटी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध करते हुए सभी आरोपियों को पुलिस टीम ने न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल अंबिकापुर भेज दिया है और मामलें में आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का मिल रहा लाभ

विकास प्रदर्शनी देखने आए जशपुर जिले के सरपंचों ने कहा

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

दुर्गम क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का अच्छा लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। यह कहना है राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू आडिटोरियम में लगाई गई विकास परक राज्य स्तरीय छायाचित्र प्रदर्शनी देखने के लिए आए जशपुर जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों का। जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई इस प्रदर्शनी को देखने के लिए अलग–अलग जिलों के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

इस प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में आए बदलाव और विकास कार्यों की उपलब्धियों को दिखाया गया है। आज जशपुर जिले के सरपंचों ने प्रदर्शनी को देखा और सराहा। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के

छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को मिल रही शासकीय योजनाओं की जानकारी

बाद जशपुर जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी वर्गों के आर्थिक उत्थान के लिए योजनाओं का संचालन कर रही है। ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। महिला सशक्तिकरण के सपनों को सफल करने सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के माध्यम से डॉक्टर अब गांव.गांव पहुंच कर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रहा हैं। कुनकुरी विकासखंड की ग्राम पंचायतों रेंगारघाट, केराडीह, चटकपुर, सेंद्रीमुंडाए बेमतातोलीए खुटगांव आदि के सरपंचों ने कहा कि मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के माध्यम से दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। इसी तरह दुलदुला विकासखंड के ग्राम कस्तूरा, विपंतपुर, वासुदेवपुर, केंदापनी, लोरो, जामपानी, कोरना आदि के सरपंचों ने सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना की सराहना की।

मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने युवक को गोली मारी

कोंडागांव । नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में ग्रामीण को गोली मारकर हत्या कर दी. शनिवार देर रात घटना को अंजाम देने के बाद नक्सलियों ने पर्चा फेंका है. मर्दापाल थाना क्षेत्र के खड़खड़ी की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. एसपी दिव्यांग पटेल युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने की की पुष्टि की है।

युवती को शादी का प्रलोभन देकर लगातार शारिरिक शोषण करने वाले आरोपी गिरफ्तार

आरोपी एवं उनकी मॉ के द्वारा युवती के साथ गाली गलौज कर जान से मारने की दी जा रही थी धमकी

धमतरी । जिले के थाना रूद्री क्षेत्रांतर्गत ग्राम भटगांव निवासी युवती द्वारा थाना रूद्री में लिखित शिकायत दिया गया था कि आरोपी तुकेश्वर ध्रुव पिता अनूप ध्रुव उम्र 26 वर्ष निवासी भटगांव के द्वारा युवती को फरवरी से मई 2022 तक अपने घर पर रखकर शादी का झांसा देकर लगातार जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया गया है साथ ही शादी करने की बात करने पर आरोपी व उसकी मां श्रीमति कलेन्द्री बाई द्वारा युवती को गाली गलौच जान से मारने की धमकी देने से साथ साथ घर से बाहर नहीं निकलने देते थे ।

युवती की शिकायत पर आरोपी तुकेश्वर ध्रुव व उसकी मां कलेन्द्री बाई ध्रुव के विरूद्ध थाना रूद्री के अपराध क्र. 57/22 धारा 376 , 294 , 506 , 342,34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के त्वरित कार्यवाही के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पॉल के मार्गदर्शन में एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री जी.सी.पति के नेतृत्व में थाना प्रभारी रूद्री द्वारा आरोपी तुकेश्वर ध्रुव को गिरफ्तार किया जाकर आज दिनांक 18.06.22 को मान.न्यायालय धमतरी के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है एवं आरोपी के माँ के खिलाफ भी गिरफ्तारी की कार्यवाही की जा रही है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी विनय कुमार पम्मार एएसआई. सूरजपाल साहू , भीष्म अवस्थी , आरक्षक अनिल साहू, जितेन्द्र ठाकुर,डोमन सिन्हा ,पंकज प्रधान कि सराहनीय भूमिका रही।

अनुपयोगी एवं ओपन बोरवेल को तत्काल ढकवाने कलेक्टरों ने दिए सख्त निर्देश

अनुपयोगी एवं ओपन बोरवेल की रोकथाम किए जा रहे सार्थक प्रयास में आम जनता से सहयोग की अपील

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार राज्य में अनुपयोगी एवं ओपन बोरवेल को सुरक्षा की दृष्टिकोण से तत्काल ढकवाने के निर्देश सभी कलेक्टरों को दिए गए हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने जिले के अनुपयोगी बोरवेल, ग्रेबल पैक बोरवेल सामान्य बोरवेल, नवीन नलकूप खनन, रिंगवेल और ओपन वेल की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अनुपयोगी बोरवेल को तत्काल बंद करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

हेल्प लाइन नंबर 9340125207 में संपर्क किया जा सकता है

कलेक्टर ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि अनुपयोगी बोरवेल्स को किसी भी स्थिति में खुला न छोड़ा जाए। बोरवेल फेल होने की स्थिति में बोर होल अथवा गड्ढे को तत्काल मिट्टी रेत पत्थर से भरकर सतह को

पूर्व की भांति समतल और ठोस किया जाए। उन्होंने अनुपयोगी बोरवेल की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा वर्ष 2009 में रिट पिटिशन क्रमांक 09 के संबंध में पारित आदेश का कठोरतापूर्वक पालन करने को भी कहा है। साथ ही आम लोगों को इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन के दिए गए नि:शुल्क हेल्प नम्बर में भी देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता की सहयोग के लिए नम्बर जारी किया गया है। इनमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता व्ही के उरमालिया 9424150257, जिला नोडल अधिकारी कमल प्रसाद कंवर सहायक अभियंता 9340125207, कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी खुले और अनुपयोगी ट्यूबवेल बोरवेल की सूचना दी जा सकती है। कलेक्टर ने कहा कि विगत दिवस जांजगीर–चांपा जिले में मालखरौदा विकासखंड के ग्राम पिहरीद में भी एक बालक के बोरवेल में गिरने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि है कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसलिए कोई भी बोर उपयोग हो रहा हो, अनुपयोगी हो चुका हो, निष्प्रयोज्य घोषित हो चुका हो, केसिंग सहित हो अथवा केसिंग निकाला जा चुका होए किसी भी प्रयोजन के लिये भी हो, शासकीय बोर हो अथवा निजी या किसी भी निकाय संस्था का बोर होए जिसका उपयोग पेयजल, सिंचाई, वाणिज्यिक या उद्योग के लिए किया जाता हो, सामान्यत: नलकूप खनन के दौरान कई बार भसकने वाले स्ट्रेटा प्राप्त होने से, सब–साइल जल दबाव अधिक होने से बोल्डर प्राप्त होने से टूल्स गिरने अथवा टूटने या अन्य कारणों से नलकूप खनन संभव नहीं हो पाता है। फलस्वरूप गड्ढा यथावत छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कई बार नलकूप खनन के दौरान विभिन्न कारणों से केसिंग डालने के पश्चात भी नलकूप खनन कार्य पूर्ण नहीं हो पाता है एवं केसिंग पाईप निकाल लिया जाता है।

उपरोक्त दोनों ही स्थिति में अधूरे कार्य की वजह से निर्मित बोरहोल दुर्घटना का कारण बनता है। अत: ऐसी स्थिति में गड्ढे को मिट्टी, रेत, पत्थर या अन्य उचित सामग्री से भरा जाकर सतह को पूर्व की भांति किया जाना सुनिश्चित किया जाये यह कार्यवाही कार्य स्थल से मशीन हटाये जाने के पूर्व अनिवार्यत: किया जाये। इसी तरह ग्रेवेल पैक नलकूप विभागीय मानदंडों के अनुसार 25 मीटर से अधिक कॉलेप्सिबल स्ट्रेटा प्राप्त होने पर ही ग्रेवेल पैक नलकूप मान्य किया जाता है। कई बार ग्रेवेल पैक नलकूप खनन के दौरान 25 मीटर से कम कोलेप्सिबल स्ट्रेटा प्राप्त होने के फ लस्वरूप उस स्थल पर नलकूप खनन कार्य स्थगित कर अन्य स्थान पर कार्य प्रारंभ कर दिया जाता है। इस प्रक्रिया के फ लस्वरूप निर्मित बोरवेल तुलनात्मक रूप से अधिक व्यास के होने के कारण दुर्घटना के कारण बन जाते हैं। अत: ऐसे बोर होल्स को स्थल से मशीन हटाने के पूर्व मिट्टी, रेत, पत्थर या अन्य उचित सामग्री से भरा जाकर सतह को पूर्व की भांति समतल एवं ठोस किया जाना सुनिश्चित किया जाये। नलकूप खनन के दौरान कई बार ऐसी स्थिति निर्मित होती है कि नलकूप में पर्याप्त जल आवक क्षमता प्राप्त नहीं होती है। ऐसे नलकूपों को एमएस कैंप एवं क्रंकीट ब्लाक बनाकर सुरक्षित रखा जाना अनिवार्य हैए लेकिन कई बार ऐसे नलकूपों में कांक्रीट ब्लाक नहीं बनाया जाकर सिर्फ ,मएस कैंप ही लगा दिया जाता है। कालांतर में एमएस कैंप के टूट–फ ूट हो जाने पर दुर्घटना घटने की संभावना बढ़ जाती है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी सूखे नलकूपों पर अनिवार्य रूप से सीमेन्ट, कांकीट ब्लाक बनाया जाकर स्थल को सुरक्षित करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि प्राय: यह देखा गया है कि नवीन नलकूप खनन के पश्चात हेण्डपंप, पावर पंप स्थापना के पहले बोरवेल को बिना कैपिंग के या सुरक्षात्मक उपाय किये बिना खुला छोड़ दिये जाने से भी दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। नवीन नलकूप खनन के तत्काल पश्चात, हेण्डपंप, पावर पंप स्थापना के पूर्व सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किये जावे। कई क्षेत्रों में जहां भू–जल स्तर अच्छा है। वहां लोगों द्वारा बाड़ी एवं खेतों में निस्तारी एवं सूक्ष्म सिंचाई हेतु रिंगवेल या ओपनवेल खनन किया जाता हैं। लेकिन पर्याप्त सुरक्षा के स्थायी उपायों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता है और सतह को खुला छोड़ दिया जाता है। जो दुर्घटना के कारण बनता है।

एक गांव ऐसा जहां के लोग कुएं का गंदा पानी पीने को मजबूर

कलेक्टर, विधायक,मंत्री, एवं पीएचई अफसर से मांग के बाद भी नहीं मिला स्वच्छ पानी

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

जहां एक तरफ सरकार लोगों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने नल से हर घर जल योजना का ढिंढौरा पीट रही है वही छग के देवभोग ब्लाक के झिरीपारा पंचायत के नीमगोछिया पारा के 12 घर के सौ से अधिक ग्रामीण 10 साल से स्वच्छ पेयजल के लिये तरस रहे है।

पारा के बारह घर के लोग कुएं का गंदा पानी पीने को मजबूर इसलिये है क्योकि गांव में एक भी हेंडपम्प नहीं है। यहां के लोग 10 साल से एक नलकूप की मांग कर रहे हैं। मगर आज तक किसी ने इनकी सुध नहीं ली।

नलकूप की आस में ग्रामीणो ने कहां नहीं लगाया गुहार

पानी को लेकर गांव की जरूरत ऐसी की यहां के लोगों ने पूर्व सरकार के समय ग्राम सुराज में आवेदन किया झाखरपारा मंत्री दौरे में गुहार लगाई वही वर्तमान सरकार के में भी कलेक्टर एसडीएम,पीएचई विभाग के अफसरों को से भी मांग की पर इनकी मांग पर किसी की नजर नहीं गयी। झिरीपानी के पूर्व सरपंच थबीरो मांझी ने भी कई बार प्रयास किया मगर उनका प्रयास भी असफल रहा।

दस साल से कुंआ का गंदा पानी पीने मजबूर आये दिन होते हैं बीमार के शिकार

गांव में एक कच्चा कुंआ है जहां गंदगी भी पसरा हुआ है फि र भी यहां के लोग इस कुएं का गंदा पानी पीने मजबूर है। गांव से पंचायत मुख्यालय झिरीपानी की दूरी दो किमी है यहां चार पांच हेंडपम्प है मगर इस गांव के लिये यहां से पेयजल लाना महिलाओं के लिये सम्भव नहीं है। बरसात के दिनों में खेत का पानी भर जाता है इसको पीकर पारा के लोग आये दिन बीमार का शिकार हो जाते है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

इंजीनियर के झूठी रिपोर्ट के चलते नीमगोछियापारा में नलकूप नहीं

ग्रामीणों के मांग के बाद पीएचई विभाग ने पेयजल को लेकर एक प्रयास किया था इंजीनियर को भेज वहां स्थिति पता कराया था मगर इंजीनियर की दो घर निवास वाले झूठी रिपोर्ट ने गांव के आस पर पानी फेर दिया। गांव वालों का कहना है इसके बाद से शुद्ध पेयजल का आस भी खत्म हो गया है।

कोई तो हमें पानी दिला दो साहब..ग्रामीण

जब इस बात की खबर जोहार छग को लगी तो हमारे संवाददाता जयविलास शर्मा झिरीपानी के इस गांव में पहुंचे तो वहां के पंच सुमित्राबाई मांझी,उग्रेसेन जगदीश,गजेन्द्र आदि लोगों ने कहां हम पानी मांग कर थक चुके हैं कोई तो हमें पानी दिला दो साहब हमारा इंजीनियर घर कम है कहता है मैने फिर से जायजा लेने गांव भेजा था गाड़ी आयेगी तो हैण्डपम्प खनन हो जायेगा समय नहीं बता सकते।

अरूण कुमार भार्गव,एसडीओ पीएचई विभाग देवभोग

थाना कोंटा में नारकोटिक एक्ट के आरोपी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जिला सुकमा में सुनील शर्मा पुलिस अधीक्षक सुकमा, किरण चौहान, ओम चंदेल,सचिन्द्र चौबे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुकमा, कोंटा, रोहित शुक्ला पुलिस अनुविभागीय कोंटा के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देशन पर जिले में नशामुक्ति एवं अवैध गांजा तस्करी की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना कोंटा में सोमवार को निरीक्षक शिवानंद सिंह थाना प्रभारी कोंटा एवं थाना स्टाफ के द्वारा मुखबीर सूचना पर आरोपियों कपिल ढाली पिता कृष्णापद ढाली उम्र 20 वर्ष जाति नमोशुद्रो साकिन एमव्ही 66 थाना कालीमेला जिला मलकानगिरी ओडिशा, तुफ ान मंडल पिता सुखरंजन मंडल उम्र 19 वर्ष जाति नमोशुद्रो साकिन एमव्ही 75 थाना मोटू जिला मलकानगिरी ओडिशा निशांतो विश्वास पिता नबीन विश्वास उम्र 20 वर्ष जाति नमोशुद्रो साकिन एमव्ही 66 थाना कालीमेला जिला मलकानगिरी ओडिशा को एक सिल्वर रंग की कार क्रमांक यूपी 80 बीएस 2802 में 48 किलोग्राम कीमती करीबन 250000.00 अवैध मादक पदार्थ गांजा का उड़िसा से हैदराबाद परिवहन करते हुये वनोपज जांच नाका कोंटा के पास पकड़ा गया है। आरोपियों के खिलाफ थाना कोंटा में अपराध पंजीबद्ध कर वाहन एवं मादक पदार्थ जप्तकर आरोपी को माननीय न्यायालय के आदेश पर जेल दाखिल किया गया।

अमृत सरोवर बनेगा गांव में जल समस्या और रोजगार के लिये वरदान

गांव के तालाब को विकसित करने राज्य और केन्द्र की कारगर योजना

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

देशभर में आजादी के 75वर्ष पर अमृत महोत्सव मनाया जा रहा हैं। ऐसे में केन्द्र सरकार ने गांव में जल संवर्धन इसके साथ-साथ तालाब में सैर सपाटे और तालाब को रोजगार मूलक बनाने तालाब के चारो ओर पेड लगाने की महती योजना अमृत सरोवर जिसे 24 अप्रैल को शुरू कर दी है।

छग शासन ने इसके लिये राज्य में लागू कर दिया है जिसके तहत ग्राम पंचायत में तालाब का चयन किया जा रहा है। शासन ने इसे प्रमुखता के साथ करने के निर्देश भी जारी कर दिये है ग्राम पंचायत अपने पंचायत क्षेत्र के ऐसे तालाब जिसका सौंदर्यीकरण किया जाना आवश्यक है उसका चयन कर स्वीकृति के लिये प्रस्ताव के साथ जनपद पंचायत में जमा कर रहे है।

वित्त आयोग मनरेगा मद से बनेगा अमृत सरोवर

ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र अमृत सरोवर के लिये केन्द्रीय वित्त आयोग,राज्य वित्त आयोग और मनरेगा से राशि स्वीकृत किये जायेंगे। देवभोग सीईओ एमएल मण्डावी ने बताया गांव में उपेक्षित तालाब जहां ना तो पानी संरक्षित होता है और ही उसकी स्वच्छता को लेकर पहल होता है ऐसे तालाब को चयनित कर उसे अमृत सरोवर निर्माण करने के पिछे सरकार का उद्देश्य तालाब का जीर्णोद्धार करना है।

देवभोग में 16 पंचायत के 16 तालाब का चयन

देवभोग ब्लाक मे 54 पंचायत है अमृत सरोवर के लिये 16 पंचायत को स्वीकृति के लिये भेजा गया था। जिसमे माहुलकोट मोखागुडा और एक अन्य के साथ 3 पंचायत का निरस्त हो गया बाकि के गाडाघाट कदलीमुडा, गंगराजपुर,सुकलीभांठा पुराना, घुमरगुडा, लाटपारा, सीनापाली दरलीपारा, दिवानमुडा,मुंगझर, करलागुडा,कोदोभाठा 13 पंचायत को अमृत सरोवर के लिये चयन कर लिया गया है। इसके लिये जनपद पंचायत ने पचायत मांगपत्र के साथ उच्च कार्यालय को प्रस्ताव भेज दिया है सीईओ का कहना है कुछ दिन बाद स्वीकृत मिल जायेगा और गांव में अमृत सरोवर का काम शुरू कर दिया जायेगा।

गंदगी ना हो इसके लिये बनेगे डायवर्सन नाली

गांव का तालाब में अक्सर गंदगी देखी गयी है इसके लिये अमृत सरोवर मे गंदगी रोकने डायवर्सन नाली का निर्माण कराया जायेगा और इसके स्वच्छता को लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर जन जागरण लाया जायेगा। सरोवर में शुध्द पानी जाये इसके लिये प्रवेश द्वार पर स्क्रीन और सिल्ट चेम्बर लगेगा वही ज्यादा से ज्यादा वर्षा का जल सरोवर में प्रवेश करे इनलेट की व्यवस्था रहेगी। स्थानीय प्रशासन का कहना है गांव में अमृत सरोवर एक धरोहर के रूप में होगा जिसका संरक्षण व संवर्धन करना ग्रामीणो की जिम्मेदारी हो ऐसे जागरूकता की भी आवश्यक है। और रख रखाव पंचायत को करना होगा। उधर गांव वालों में भी अमृत सरोवर को लेकर भारी उत्साहित है लोग इसके संरक्षण को लेकर गांव में कड़े नियम बनाने की बात कह रहे है।

डेढ़ घंटे की झमाझम बारिश, किसानों के चेहरे खिले

नपा के सफाई व्यवस्था की पोल खुली, नाली की गंदगी सड़क पर

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

रविवार को आखिरकार मानसून ने दस्तक दे दी हैं। पूर्वान्ह 11 बजे आसमान में बादलों में मण्डराना शुरू किया और थोड़ी देर बाद हुई झामाझम बारिश से जहां किसानो के चेहरे खिल उठे वही अन्य लोगो ने भी राहत महसूस की। लगभग सवा से डेढ़ घंटे तक हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। हुई बारिश ने नगर पालिका के सफाई वयवस्था की भी पोल खोल कर रख दी नालियों मे जमा कचरा बारिश की पानी के साथ सड़को पर बहने लगा। स्वामी चौक और नहरू चौक दे दायरे में व्यापारियों सहित राहगिरों को भी सड़क के ऊपर नाली की गन्दगी बहने से काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ा। नगर की निचली बस्तियों में भी जल भराव होने से लोगों को

असुविधाओं का सामना करना पड़ा है। आज लगातार डेढ़ घंटे हुई बारिश से किसी प्रकार की हानि के समाचार नही मिले है अलबत्ता बागबाहरा रोड मे सितलीनाला के पास एक पेड़ के सड़क पर गिरने की खबर है जिसके लिए लोकनिर्माण विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार बताया गया है

पॉलीथीन एवं तिरपाल की दुकानों में जुटी भीड़

कई दिनों की आंख मिचौली के बाद आज बादल जमकर बरसे और बारिश के बाद रेनकोट त्रिपाल और पॉलीथीन की दुकानो में खरीदारों की काफी भीड़ नजर आयी। छाटा बेचने वालो ने भी आज तगड़ी ग्राहकी का लाभ उठाया।

थाना चिंतलनार क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मिलियमपल्ली मुख्य मार्ग के किनारे 10 किलो वजनी आईईडी बरामद

नक्सलियों ने किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की थी साजिश

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जिला सुकमा में सुन्दरराज पी. पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज जगदलपुर छग योज्ञान सिंह उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ परिचालन सुकमा रेंज के मार्गदर्शन एवं सुनील शर्मा पुलिस अधीक्षक सुकमा, रघुवंश कुमार कमांडेण्ट 223 वाहिनी सीआरपीएफ , किरण चौहान अति. पुलिस अधीक्षक नक्स. ऑप्स एवं विजय सिंह राजपूत पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जगरगुण्डा के निर्देशन में में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत् 18 जून 2022 को कैम्प नरसापुरम से टूआईसी नीतिन कुमार 223 वाहिनी सीआरपीएफ, सहायक कमाण्डेन्ट रमेश कुमार एवं सुशील कुमार के हमराह 223 वाहिनी सीआरपीएफ व जिला बल का संयुक्त बल एरिया सर्चिंग हेतु मिलियमपल्ली जंगल एरिया व आसपास क्षेत्र की ओर रवाना हुये थे कि अभियान के दौरान नरसापुरम व जगरगुण्डा के मध्य ग्राम मिलियमपल्ली के पास मुख्य मार्ग के किनारे नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को क्षति पहुंचाने की नीयत से लगाये। गये 01 नग आईईडी लगभग 10 किग्रा. वजनी को बरामद किया गया। जिसे 223 वाहिनी सीआरपीएफ की बीडीएस टीम द्वारा सुरक्षित तरीके से मौके पर नष्ट किया गया।

सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने आईईडी बरामद कर नक्सलियों की साजिश को किया नाकाम

* 223 वाहिनी सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस बल की संयुक्त कार्यवाही

एक नजर

सीजी मेडिकल स्टोर्स मोहभट्ठा बेमेतरा का उद्घाटन सम्पन्न

जोहार छत्तीसगढ़-जोहार बेमेतर।

19 जून 22 उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें मेडिकल संचालक डॉ. हरदेव वर्मा व एचपी दिवाकर को सभी रिश्तेदार, मित्रसाथी, व आसपास के वार्ड़ वासियों विधिवत पूजा अर्चना कर राजाराम वर्मा, बसावन वर्मा, मलेश वर्मा, राधा वर्मा, लच्छन वर्मा, महंत रामजी वर्मा, घासी वर्मा, शरद वर्माए रामस्नेही वर्मा, रंभला वर्मा, भूजेंद्र वर्मा, पुर्णिमा वर्मा, विजय सिंहा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, शत्रुहन निषाद पार्षद, दिलीप कुमार, समय लाल साहू, शंभू साहू,अबू साहू, यशवंत चंदेल,लैनदास महेश्वरी, राकेश चतुर्वेदी, प्रिया देवांगन, हेमलता देवांगन, राज माण्डले, भागीरथी नवरंगे, चंद्रप्रकाश गेण्डरे,मणीशंकर, उमाशंकर, महेश, हरजीत,आयुश,सत्यम,तेजस्वी, सानवी एव परिवार सीजी मेडिकल के संचालकों को व्यवसाय में बरकत खूब सफलता मिलता रहे यही शुभकामनाएं सभी अतिथियों ने आशीर्वाद दिए।

नितिन कुमार के ओवर ऑल नेतृत्व में मीलमपल्ली गांव में सर्च एण्ड क्लीन आपरेशन चलाया गया

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

गोपनीय खबर मिलने पर डी कम्पनी सहा. कमा, के रमेश कुमार के नेतृत्व में तथा ई कम्पनी सहा. कमा. सुसील कुमार के नेतृत्व में एवं द्वितीय कमान अधिकारी नितिन कुमार के ओवर ऑल नेतृत्व में मीलमपल्ली गांव की तरफ सर्च एण्ड क्लीन आपरेशन चलाया गया। जिसमे सिविल पुलिस के आरक्षक भी शामिल थे। सर्च एण्ड क्लीन आपरेशन के दौरान संदिग्ध वस्तु देखी गई। स्वान दल को चेक करने के बाद बीडी टीम के सदस्यों के द्वारा उस जगह को चेक किया गया तथा बारूदी सुरंग होने की पुष्टि की गयी। द्वितीय कमान अधिकारी निम्मिन कुमार के द्वारा सभी उच्च अधिकारी तथा सभी प्रशासनिक कार्यालयों को जानकारी दी गयी। फिर बीडी टीम द्वारा बारूदी सुरंग को ब्लास्ट करके बरबाद कर दिया गया। किसी भी प्रकार का कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। इस कार्यवाही से नक्सलियों के मनसूंबो को नाकाम कर दिया गया। ।

बाइक भिड़ंत ने ईवनिंग वॉक के दौरान भाजपा नेता को लिया चपेट में, मौत

बेटा-बेटी के विदेश से लौटने का है इंतजार

भिलाई । बीएसपी रिटायर्ड, भाजपा के नेता रामकृपाल साहू की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। 70 वर्षीय रामकृपाल रोज की तरह रूआबांधा स्थित अपने निवास से ईवनिंग वाक के लिए निकले थे। इसी दौरान दो बाइक आपस में टकरा गईं और रामकृपाल उसकी चपेट में आ गए। बुरी तरह जख्मी होने पर उन्हें समीप के अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा कि परिजनों के विदेश से आने के बाद 20 जून को रिसाली मुक्ति धाम में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in